मौखिक

क. खिलौनेवाले की आवाज़ अत्यंत मधुर और स्नेह से पूर्ण थी।

ख. जैसे सागर की हिलोर दूर तक लहराती दिखाई देती है, वैसे ही खिलौनेवाले का मीठी आवाज़ में गाकर पुकारना — 'बच्चों को बहलानेवाला, खिलौनेवाला' गली के एक छोर से दूसरे छोर तक के सभी मकानों में गूँजता सुनाई देता था।

ग. खिलौने देखकर रोहिणी हैरान रह गई क्योंकि वे बहुत सुंदर और सस्ते थे।

घ. रोहिणी को मिठाईवाले का स्वर इसलिए परिचित लगा क्योंकि वह यही मादक-मृदुल स्वर खिलौने और मुरली बेचते हुए भी सुन चुकी थी।

ङ: इस कहानी के अन्य शीर्षक — ममता का मारा/मुरलीवाला। खिलौनेवाला/बच्चों का प्यारा आदि हो सकते हैं, ~~क्योंकि वह अपने स्वर्गवासी बच्चों की झलक दूसरे बच्चों में देखने के लिए अपना सुख चैन छोड़कर फेरीवाला बनकर गली गली भटकता फिरता है~~।

लिखित

क. i. **युवतियाँ** — वे छोटे-छोटे बच्चों को अपनी गोद में लिए चिकों को उठाकर छज्जों से नीचे झाँकने लगती थीं।

ii. **बच्चे** — बच्चे उसकी आवाज़ सुनकर दौड़ लगाते थे, बच्चों का झुंड उसे घेर लेता था। वे पैसे लाकर मोल-भाव करना शुरू कर देते थे।

ख. मुरलीवाला रंग-बिरंगी मुरलियों में से बच्चों की मनपसंद रंगीन मुरलियाँ छाँट-छाँटकर देता। किसी को 'बाबू', किसी को 'राजा बाबू' तो किसी को 'भैया' कहकर उनसे बातें भी करता रहता। साथ-साथ माँ के साथ लाड़ करके पैसे 'कैसे' माँगने चाहिए, इसका उपाय भी बताता। पैसे न होने पर बिना पैसे ही मुरली पकड़ा देता। इस प्रकार वह देर तक बच्चों को मुरली बेचता।

ग. मिठाईवाला अकेला था। वह गली के बच्चों में अपने स्वर्गवासी बच्चों की झलक पाकर असीम सुख, धीरज और संतोष का अनुभव करता था। उसे पुनर्जन्म की धारणा में विश्वास था। उसे यकीन था कि उसके बच्चों ने पुनर्जन्म ले लिया होगा और वह उनकी झलक इन्हीं बच्चों में पा सकेगा। इसीलिए मिठाईवाला मिठाइयाँ बेचता था।

घ. रोहिणी ने अनुभव किया कि कोई फेरीवाला इतनी सस्ती चीज़ें नहीं बेचता और न ही बच्चों से इतना अधिक प्यार करता है। वह मिठाईवाले से बात करके उसके मनमोहक व्यवहार का कारण जानना चाहती थी।

आशय स्पष्टीकरण—

मिठाईवाले के इस कथन का आशय है कि बच्चे उससे बातें करते हैं और अपनी मनपसंद वस्तु खरीदकर प्रसन्नता से उछलते-क
हैं, इससे उसे बहुत खुशी और संतोष का अनुभव होता है। यहीं कहीं पुनर्जन्म लेकर इन बच्चों में खेलते-कूदते अपने बच्चों से
मिलता है और उनसे दुलारभरी बातें करता है — यह सोचकर वह अपने मन को धीरज बँधाता है।

पाठ के आधार पर मिलान—

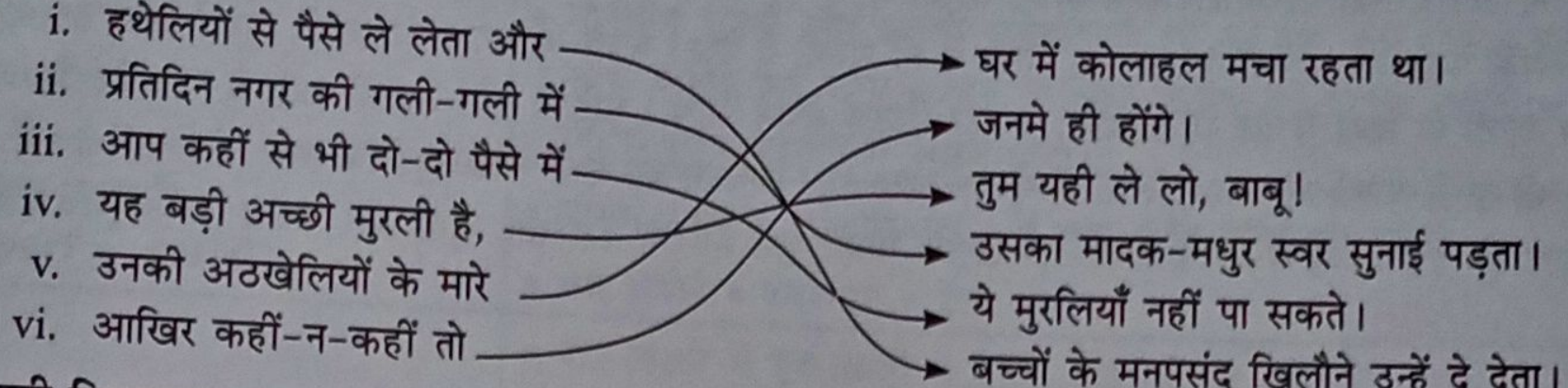

सही विकल्प चुनकर ✓ लगाइए—

क. बच्चे खिलौनेवाले को देखकर क्या करते थे?
- ☑ माँ से खिलौने खरीदने की ज़िद करते थे।

ख. मिठाईवाले ने अपने बच्चों की तुलना किसके साथ की?
- ☑ सोने के सजीव खिलौनों के साथ

ग. मिठाईवाले की आँखें आँसुओं से तर हो गई थीं क्योंकि—
- ☑ उसे अपने बच्चों की याद आ गई थी।

मूल्यपरक प्रश्न